जैन साहित्य एवं मंदिर उपकरण

हमारे यहाँ सभी प्रकार का दिगंबर जैन एवं भारत के सभी प्रमुख धार्मिक संस्थानों का सत साहित्य एवं मंदिर में उपयोग हेतु उपकरण और प्रभावना में बाटने योग्य सामग्री सीमित मूल्य पर उपलब्ध है

(पांडुशिला ,सिंघासन, छत्र, चवर प्रातिहार्य,जाप माला ,मंगल कलश, पूजा बर्तन ,चंदोवा,तोरण ,झारी ,

(शुद्ध चांदी के उपकरण आर्डर पर निर्मित किया जाता है)

नोट:-हमारे यहाँ घरो में उपयोग हेतु ,साधुओ के उपयोग हेतु , अनुष्ठानों में उपयोग हेतु शुद्ध घी भी आर्डर पर उपलब्ध कराया जाता है

SOURABH KUMAR JAIN

9993602663

77229 83010

SOURABHJN1989@GMAIL.COM

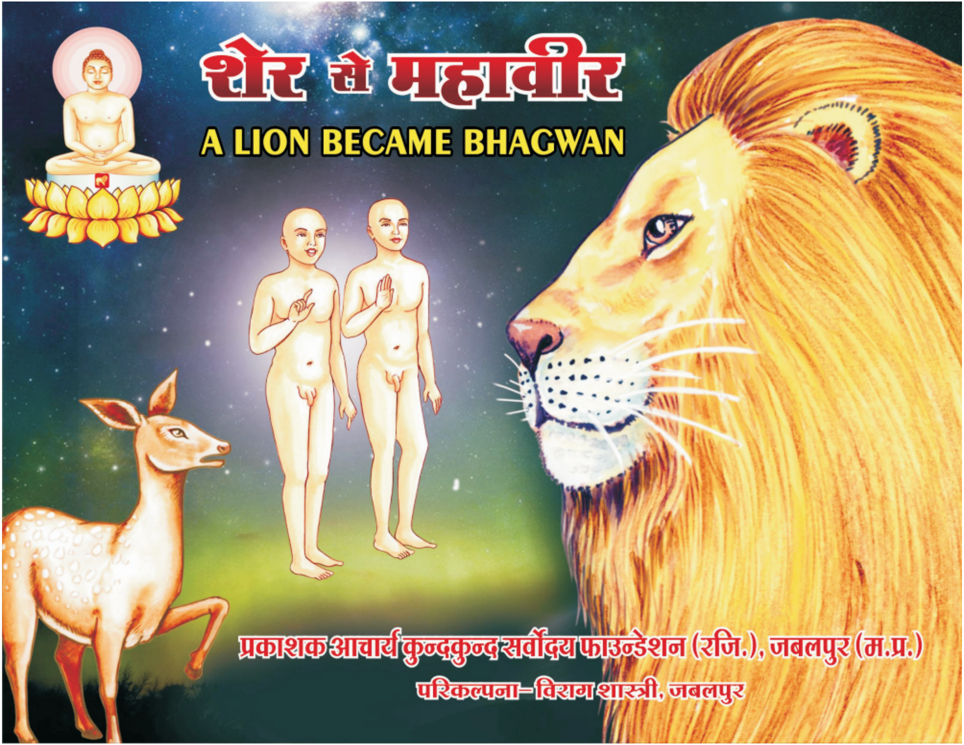
शेर से महावीर
A LION BECAME BHAGWAN
प्रकाशक आचार्य कुन्दकुन्द सर्वोदय फाउन्डेशन (रजि.), जबलपुर (म.प्र.)
परिकल्पना– विराग शास्त्री, जबलपुर

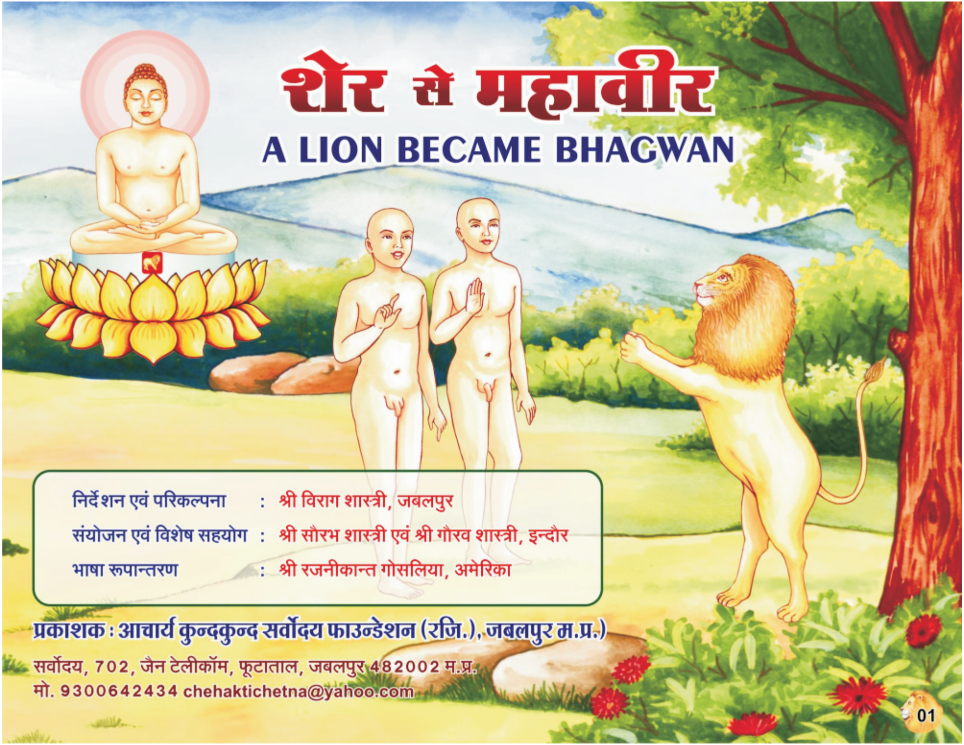

शेर से महावीर

A LION BECAME BHAGWAN

निर्देशन एवं परिकल्पना : श्री विराग शास्त्री, जबलपुर

संयोजन एवं विशेष सहयोग : श्री सौरभ शास्त्री एवं श्री गौरव शास्त्री, इन्दौर

भाषा रूपान्तरण : श्री रजनीकान्त गोसलिया, अमेरिका

प्रकाशक : आचार्य कुन्दकुन्द सर्वोदय फाउन्डेशन (रजि.), जबलपुर म.प्र.)

सर्वोदय, 702, जैन टेलीकॉम, फूटाताल, जबलपुर 482002 म.प्र.

मो. 9300642434 chehaktichetna@yahoo.com

एक दिन जंगल का राजा शेर पेड़ के नीचे बैठा हुआ था।
तभी उसने एक हिरण को वहाँ से जाते हुये देखा।

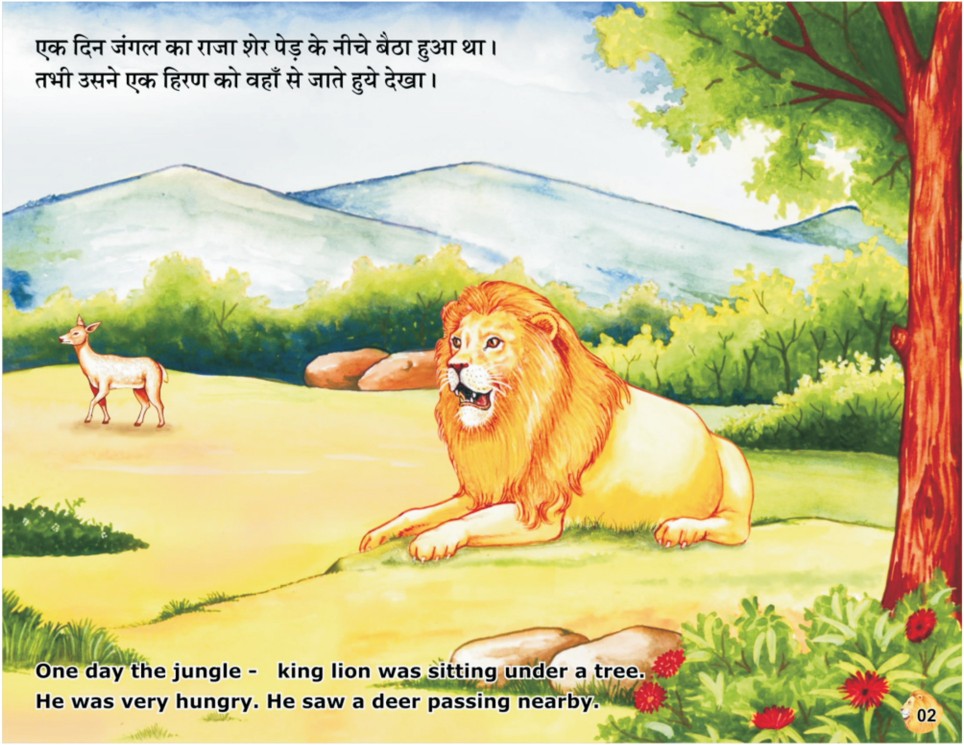

**One day the jungle - king lion was sitting under a tree.
He was very hungry. He saw a deer passing nearby.**

हिरण को देखकर शेर को उसका शिकार करने की इच्छा हुई।
वह आगे के पैर खड़ा हो गया इतने में ह़िरण ने
आहट पाकर पीछे मुड़कर देखा।

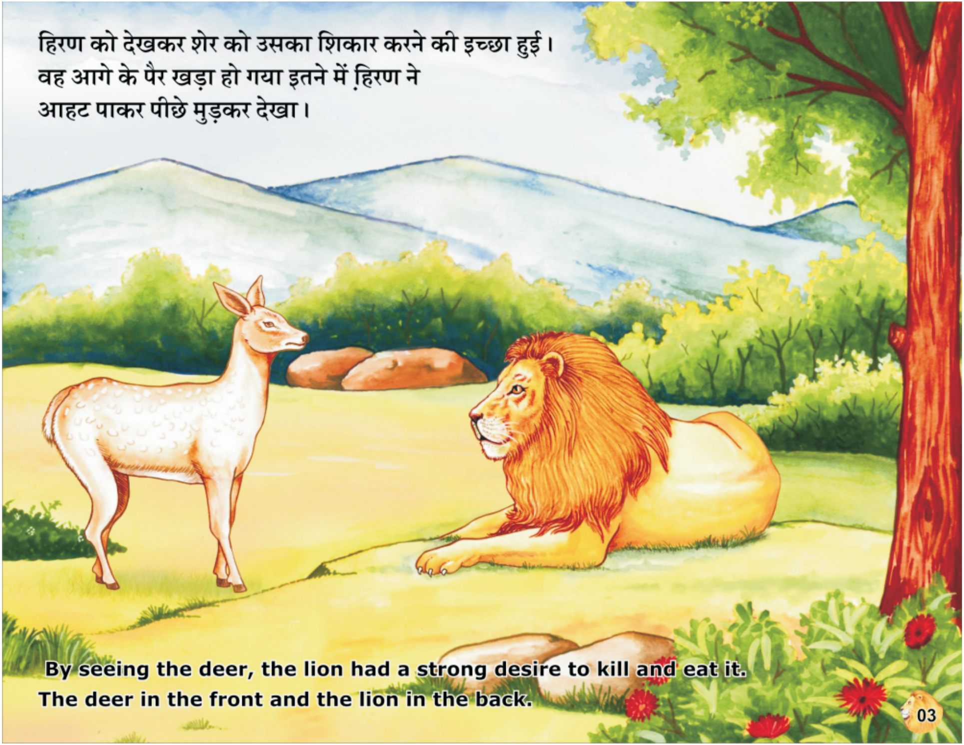

By seeing the deer, the lion had a strong desire to kill and eat it.
The deer in the front and the lion in the back.

हिरण अपनी जान बचाने के लिये तेजी से भागा।
हिरण को भागता देखकर शेर भी हिरण को
मारने के लिए उसकी ओर झपटा

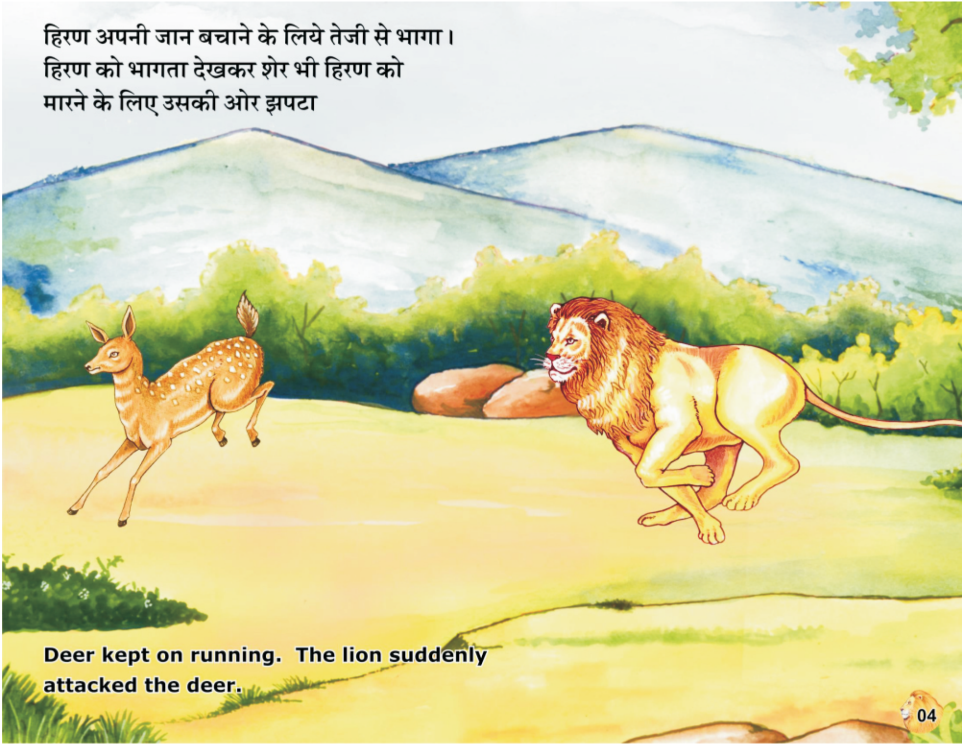

Deer kept on running. The lion suddenly attacked the deer.

शेर ने तेजी से भागकर हिरण पर हमला कर हिरण को पकड़ा और अपने बड़े और नुकीले नाखूनों से हिरण का पेट फाड़ दिया।

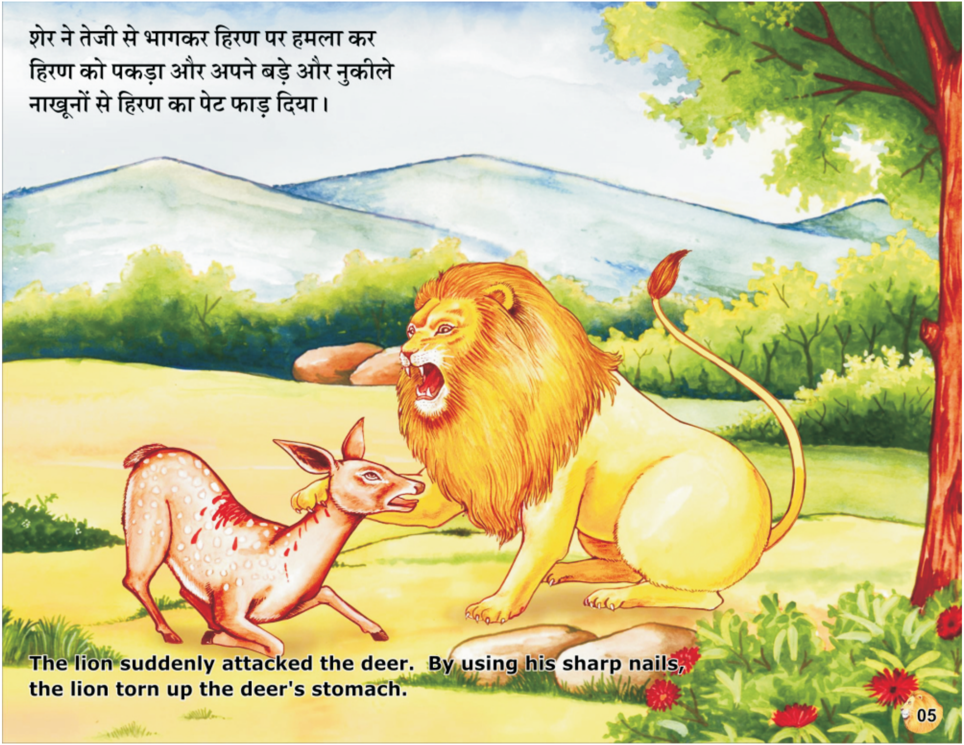

The lion suddenly attacked the deer. By using his sharp nails, the lion torn up the deer's stomach.

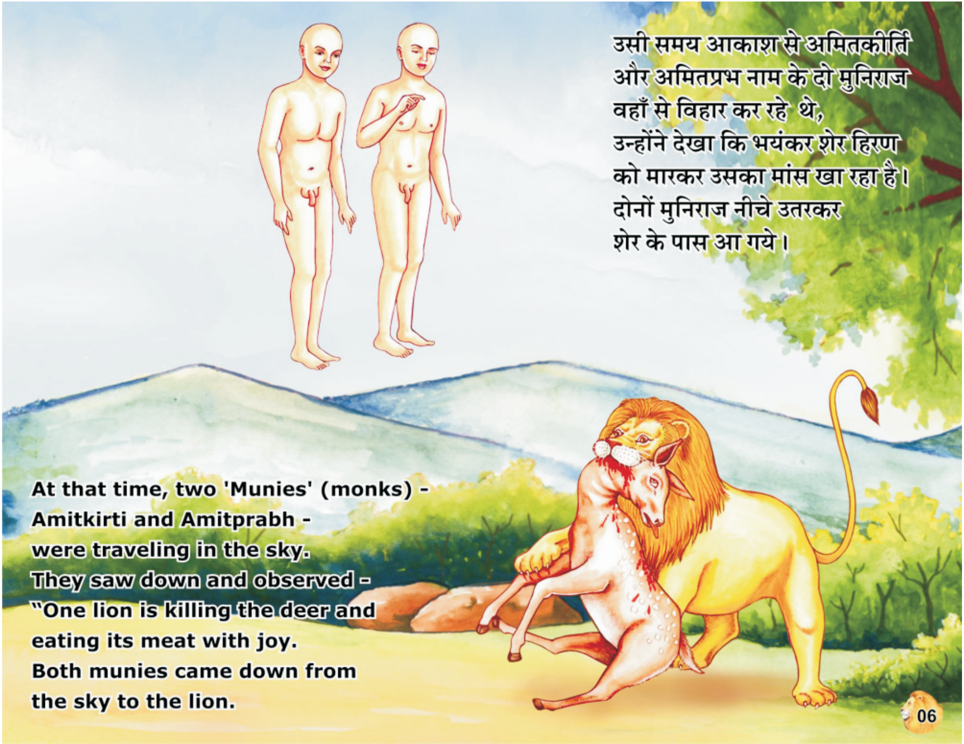

उसी समय आकाश से अमितकीर्ति
और अमितप्रभ नाम के दो मुनिराज
वहाँ से विहार कर रहे थे,
उन्होंने देखा कि भयंकर शेर हिरण
को मारकर उसका मांस खा रहा है।
दोनों मुनिराज नीचे उतरकर
शेर के पास आ गये।

At that time, two 'Munies' (monks) -
Amitkirti and Amitprabh -
were traveling in the sky.
They saw down and observed -
"One lion is killing the deer and
eating its meat with joy.
Both munies came down from
the sky to the lion.

दोनों मुनिराजों की अत्यंत शांत मुद्रा देखकर शेर आश्चर्य से उन्हें देखने लगा और मांस खाना बंद कर दिया। मुनिराज ने शेर का सुन्दर भविष्य जानकर उसे उपदेश दिया।

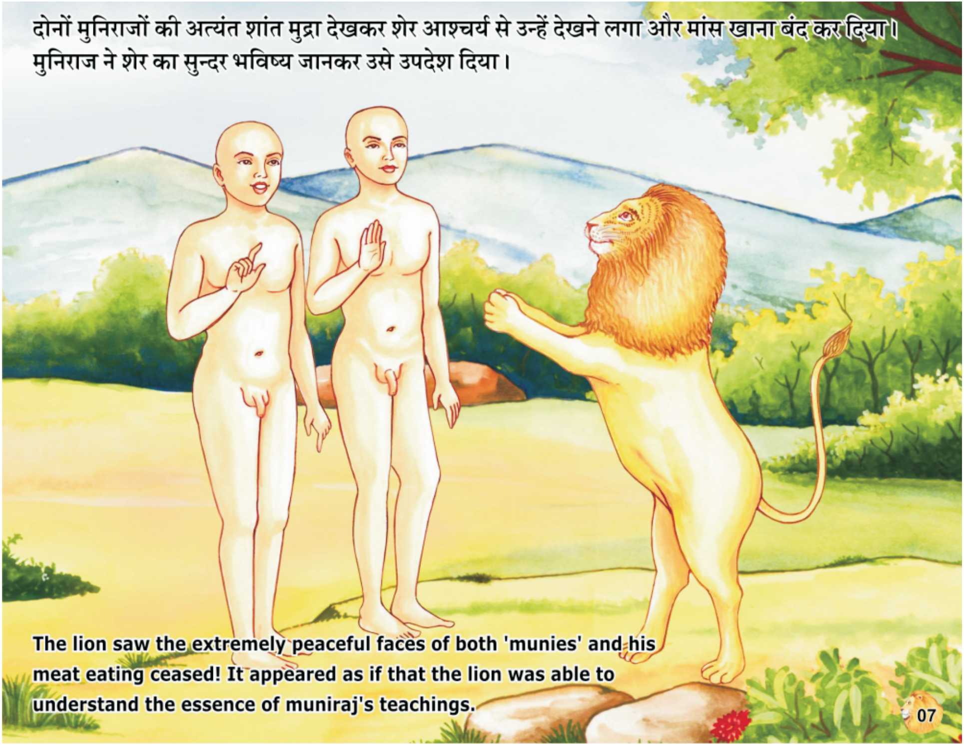

The lion saw the extremely peaceful faces of both 'munies' and his meat eating ceased! It appeared as if that the lion was able to understand the essence of muniraj's teachings.

मुनिराज बोले – हे मृगराज ! तुम ये क्या कर रहे हो ? तुम तो निकट भव्य जीव हो और दस भव के बाद भरत क्षेत्र के तीर्थंकर महावीर बनने वाले हो। तुम्हें ये कार्य शोभा नहीं देता। मुनिराज का उपदेश सुनकर शेर की आँखों से आंसू बहने लगे।

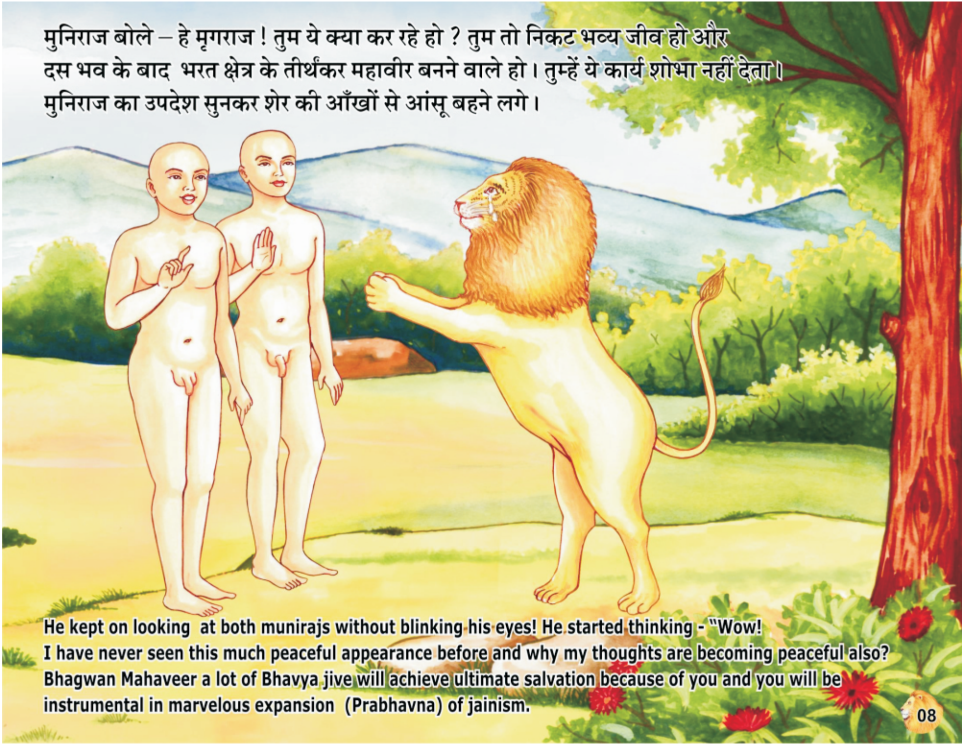

He kept on looking at both munirajs without blinking his eyes! He started thinking - "Wow! I have never seen this much peaceful appearance before and why my thoughts are becoming peaceful also? Bhagwan Mahaveer a lot of Bhavya jive will achieve ultimate salvation because of you and you will be instrumental in marvelous expansion (Prabhavna) of jainism.

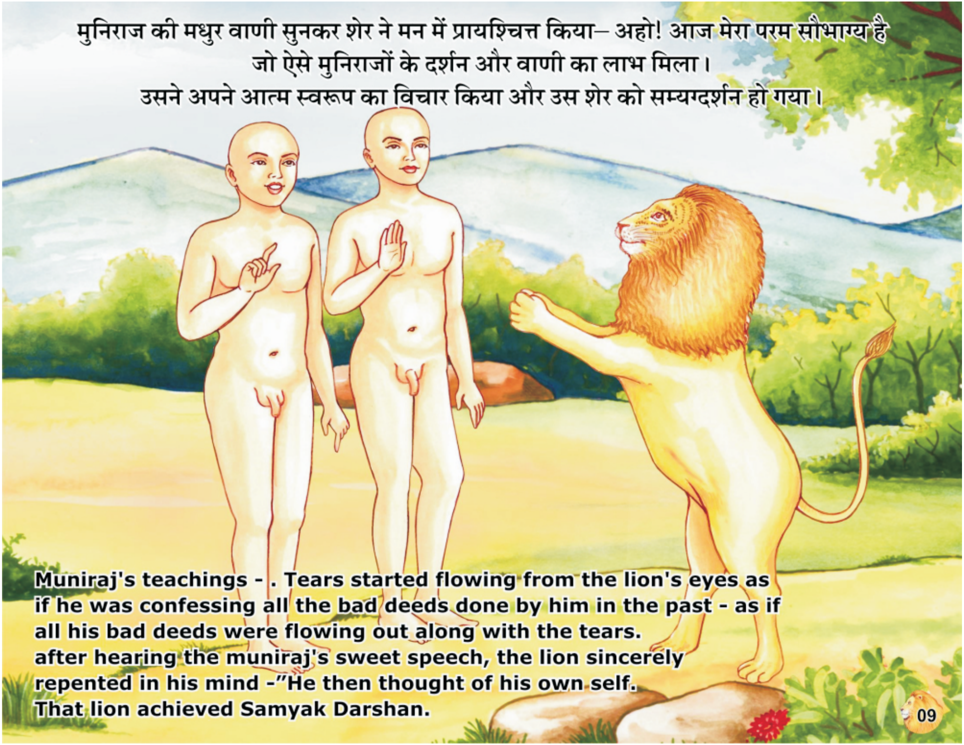
मुनिराज की मधुर वाणी सुनकर शेर ने मन में प्रायश्चित्त किया– अहो! आज मेरा परम सौभाग्य है
जो ऐसे मुनिराजों के दर्शन और वाणी का लाभ मिला।
उसने अपने आत्म स्वरूप का विचार किया और उस शेर को सम्यग्दर्शन हो गया।
Muniraj's teachings - . Tears started flowing from the lion's eyes as if he was confessing all the bad deeds done by him in the past - as if all his bad deeds were flowing out along with the tears.
after hearing the muniraj's sweet speech, the lion sincerely repented in his mind -"He then thought of his own self.
That lion achieved Samyak Darshan.

शेर ने अब मांस खाना बंद कर दिया। भोजन न मिलने से उसका शरीर कमजोर हो गया। अब वह हिल भी नहीं सकता था। उसे मरा हुआ जानकर कौवे और चील आदि पक्षी उसका मांस खाने लगे। कुछ समय बाद बहुत शांतभाव से उस शेर की मृत्यु हो गई।

Now Lion meat eating stopped. Due to lack of food his body started getting weak. A time came when he was unable to move his body. Thinking that the lion is dead, the birds started eating his meat. After some time that lion who had realized his own Atma died very peacefully.

वह शेर मरकर सौधर्म स्वर्ग में सिंहकेतु देव हुआ। इसके 9 भव के बाद वह शेर का जीव भरत क्षेत्र का अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर हुआ। बच्चों! समझ में आया कि एक पशु भी आत्म ज्ञान के बल पर भगवान बन सकता है। हमें भी आत्मकल्याण करना चाहिए।

In the next life that lion became 'Sinhketu Dev' in the heaven called 'Saudharma Swarg'. After completing nine Such births and deaths since he died as that lion, He was called last of Bharat Khetra Tirthankar Bhagwan Mahaveer. Boys and girls! Did you understand that even an animal can become Bhagwan - God by realizing his own soul we therefore, should also realize our soul to become eternally happy.

प्रकाशकीय

आज के भौतिक वातावरण, आधुनिक संसाधनों के बढ़ते प्रयोग, पढ़ाई के बढ़ते बोझ, समय की कमी जैसे कारणों से अपने परिवार में जिनधर्म के संस्कार बनाये रखने की अधिक आवश्यकता हो गई। जिनधर्म के संस्कार जीवन में शांति का मूल कारण तो होते ही हैं, साथ ही अपने महान जैन शासन की धरोहर को विकसित करना हमारा नैतिक दायित्व भी है। इसी भावना से प्रेरित होकर आचार्य कुन्दकुन्द सर्वोदय फाउन्डेशन, जबलपुर विगत 10 वर्षों से बाल–किशोर वर्ग में तत्वज्ञान के संस्कार के प्रचार–प्रसार हेतु निरन्तर प्रयासरत है। इस श्रृंखला में अनेक संस्कार प्रेरक वीडियो निर्माण एवं साहित्य प्रकाशन का कार्य हुआ है। हमारे बच्चे पौराणिक कथाओं के परिचय के साथ प्रेरणा प्राप्त करें इस भावना के साथ इस पुस्तक और वीडियो का निर्माण किया गया। इस कार्य में सहयोग देने वाले सभी साधर्मियों का हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। हमें आशा है कि आप इस कृति का लाभ लेने के साथ हमारी भविष्य की समस्त योजनाओं में सहयोग प्रदान करेंगे।

–आचार्य कुन्दकुन्द सर्वोदय

पुस्तक प्रकाशन मुख्य सहयोग – श्री परेशभाई बखारिया, दादर मुम्बई

शेर से महावीर वीडियो सी.डी. निर्माण सहयोग – From USA Mr. Rajnikant Gosaliya, Pratiksha Khona, Bhupesh Mehta, Vinod K. Sangai/Seema Jain, Jatin Shah, Talak Shah

निर्माण	:	आचार्य कुन्दकुन्द सर्वोदय फाउन्डेशन (रजि.) जबलपुर (म.प्र.)
परिकल्पना और निर्देशन	:	विराग शास्त्री, जबलपुर
स्वर एवं विशेष सहयोग	:	श्री सौरभ शास्त्री, इन्दौर
संयोजन	:	श्री गौरव शास्त्री, इन्दौर
भाषा रुपान्तर	:	श्री रजनीकान्त गोसलिया, अमेरिका
सहयोग	:	श्रीमती स्वस्ति जैन, जबलपुर

आचार्य कुन्दकुन्द सर्वोदय फाउन्डेशन, जबलपुर द्वारा निर्मित
बाल संस्कार प्रेरक धार्मिक वीडियो, पुस्तक और गेम प्राप्त कीजिये

1. जैनी बच्चे सच्चे हम
2. हम होगें ज्ञानवान
3. मेरा वीर बनेगा बेटा
4. कर लो जिनवर की पूजन
5. जिनधर्मकी कहानियाँ
6. तोता तू क्यों रोता
7. छहढ़ाला (संपूर्ण छन्द-अर्थ सहित)
8. गाथा महापुराण की
9. नन्हे मुन्ने ज्ञायक हम (एनीमेशन)
10. भगवन बनने जन्मे हम (एनीमेशन)
11. पाठशाला चलें हम
12. तुम्हें वीर बनना है
13. आओ सीखें जैन धर्म
14. शेर बना भगवान

धार्मिक गेम-

15. मुक्ति सोपान (दो मनोरंजक खेल)
16. स्टीकर गेम पुस्तक
17. नन्हें मुन्ने ज्ञायक हम (कविताओं का संकलन-चित्र सहित)
18. भगवन बनने जन्मे हम (कविताओं का संकलन-चित्र सहित)
19. शेर बना भगवन (ऐतिहासिक पौराणिक कथा-चित्र सहित)

विश्व के संपूर्ण जैन समाज की एकमात्र रंगीन बाल पत्रिका

चहकती चेतना

के सदस्य बनिये

सदस्यता शुल्क मात्र- 400 रू. (तीन वर्ष हेतु) 1200 रू. (10 वर्ष हेतु)

संपर्क- आचार्य कुन्दकुन्द सर्वोदय फाउन्डेशन, (रजि.)

सर्वोदय, जैन टेलीकॉम, फूटाताल, जबलपुर 482002 म.प्र. Mo.09373294684, 09300642434
E-mail- chehaktichetna@yahoo.com

Contact for order
Call and whatsapp
9993602663
7722983010

9993602663

पीतल डिब्बा सेट

3.72KB/s 9:21 VoLTE

Like Share

8

Like Share

10"
11"

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

WEIGHT g
654.0
STAND BY
STABLE
NET

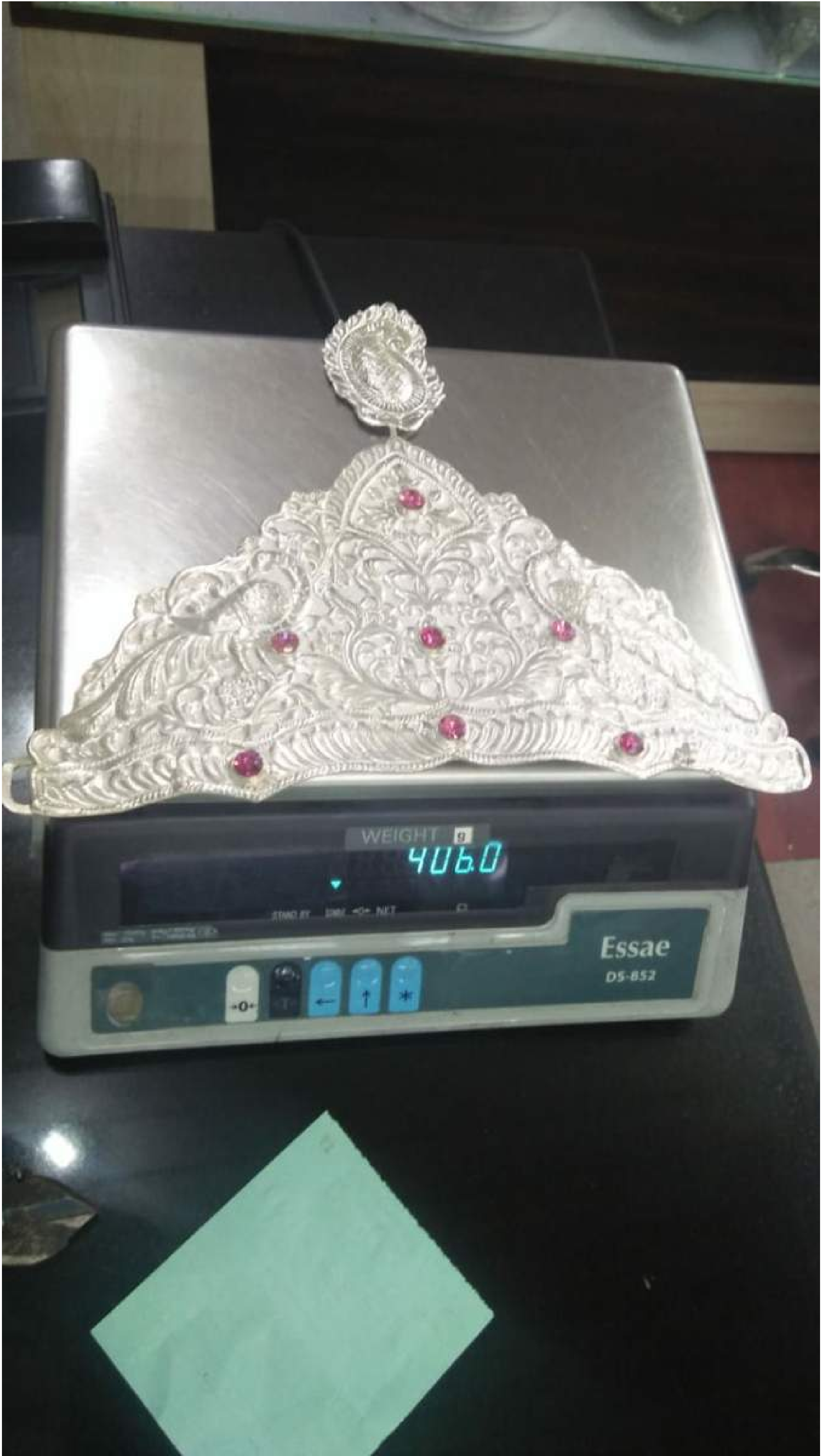
WEIGHT g
406.0
Essae
DS-852

WEIGHT
3450
DS-852

WEIGHT
42040
Essae
DS-852

PhotoGrid

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

5/03/03